



[illegible][illegible]

न्यायानामद्वारं मूर्तिर्जीवन्ती कुमा. उगदे कटिना विद्या. सग्रा मन्त्रावली धुला. न्याः
 निपायानि न्या. दधि. जीवन्ती ध्या. नध्या. यिनी. यद्गी. नीयद्वा. धारिव. यद्वा. मास
 नगासिनी. वासद्वा. यि. मदान्. ऊ. ह. मयधु. पुरा. कवी. विराम. धीध. वी. दा. वि
 यद्वा. पुरा. कवी. धीध. वी. दा. वि. यद्वा. पुरा. कवी. धीध. वी. दा. वि.

[illegible]

धर्मधारासि, कर्मधर्मधाराविष्णु, विष्णुकावारुमधुनी, वाधनीसर्वसत्त्वानां, वाधगक्रम
 न्यधवा, धानाधिमूर्किसयनि, रुदः । यादयकविनीवासवार्थसाधनीरुडाः ।
 त्रिरूपातिरुचिक, मादलनीरुदमा । ना, नक्षमागपुदसनी, वागीधवीम
 हासोनि, ग्याकधारिधधिनददा, त्रिरूपधारनीसिद्धा, याधानीयागमधवी ।

3

मनादवागदाकानि, गुरु, ग्याधिरादलेन, लार्थवादा, रुपाविष्णु, सर्वधधगनात्मकिवानमा
 नमुमदादविमवेसत्त्वार्थदासनी, नम । रुदिवाधिव, वसुधावानमा, रुन्ता
 न्नासकव, सुमनाम, त्रिकारययथादि । मा, याधानिनिरेमसिद्धि, मिमिनाथ
 मनायथा, रोदहानकनयाय, मानकवसूदायून, लन्नावेकदययासू, लन्नावानामरुक

मास मूलासा वसन्त न्ना सफ जाति सा वारु वरु प्रियत्वा दय वा कृष्ण वृष पायि रद स न
 विष कृति ये वृक्ष येषु न्ना द शुभ य जा यन मून नु मि धि व व पायि यत्वा ३
 पाय सुखा वनि ॥ ॥ मू ये ए मास न द व सुखा व मा मं स गा य ४॥ ॥
 १३ न मा रु ग व न मू ये सा म सं रु वा य ॥ न मा व द्वा य ॥ १ व म या सु म क सि न्म म य

रु ग वान् व ऊ वृ वि द्वा मि सा स वे स व ल व ऊ म य धि छा य व ऊ वा लि न्ध वृ द्वा नू ला व न
 व ऊ स मा धि स मा य न्ना न ना व ऊ पा लि वृ द्वा नू व न स व वृ द्वा धि छा ना ४॥
 स वे व धि स त्वा धि छा ना ५ व ऊ का ध स रु न् व ऊ सा व य सा य न न्ध ४॥
 मू वृ य म न्ध य स रु द धि स व स व क उ नि द न स द म स्थि व स व क य वा जि न

सर्वसत्त्वविद्याय वा क र सर्वसत्त्वत्मादन क र सर्वविद्याकृदन क रं सर्वविद्यामरुन क रं ॥
 सर्वकर्मो विधं स न कं ल सर्वकर्मो विद प न क रं सर्वगुहात्मादन क रं सर्वगुः
 हविमाकन क रं सर्वकर्मो य प स कं ल सर्वविद्यामरु क र्म क वा य नं श्रीसिद्धि
 नासिद्धन क रं सिद्धानावा विनां स न क रं सर्वकर्मो य द सर्वसत्त्वानुल क रं ॥

निक कृष्टिक सर्वसत्त्वाना मादन क रं ॥ ४० ॥ मं म ल म हा व रं सर्ववृद्धान् हा वा य रु न्द्राः
 व ऊ या मि ॥ ४१ ॥ रा व न ॥ ४२ ॥ न मा व त् न ल या य ॥ ४३ ॥ न मः व रु व ऊ पा द य ॥ ४४ ॥
 म हा य कृ स ना य न य ॥ ४५ ॥ य था ॥ ४६ ॥ न न न न हा य स्वा हा ॥ ४७ ॥ श्री श्री
 म स र व न म स मा क ॥ ४८ ॥ श्री श्री मा र रु प रा क र रु न वा न था ग न ॥ ४९ ॥

१०८ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गृह्य कृतं पर्वण्यं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वाधिसूत्रं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 सोमं यज्ञं कर्त्तव्यं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वाष्पानि यवहविषानि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गमयन् यज्ञादाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यज्ञिना यज्ञादाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 रुद्रमाह २८ दि १ दायय २ धानादि सिद्धमयय नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नृवाचयि नृया महासौहाय्यरुचिष्मि ॥ लूनिधवारुचिष्मि ॥ न वास्य कपि दद नावग
 ववि नृव नाव प्रनि वस्य क ॥ न वास्य वा धिचिरु म वा ररुचिष्मि न सजानो जान ८
 जाके स्म वा रुचिष्मि ॥ ४००६ म वा वरुवान नारु म ना रु व वा धि स त्या साम
 वा वा मि ग प स द व मान वा स र वा कारु ग व न रु वा न स न न न नि नि ॥ ॥ नृवाच म द व

दृदय स मा द ४५ ॥ ॥ ॥ ॥ नृवाच म द व नृवाच म द व नृवाच म द व नृवाच म द व
 म य रु ग वा नृवाच म द व नृवाच म द व नृवाच म द व नृवाच म द व नृवाच म द व
 र वा पु मि द्य रु ग वा नृवाच म द व नृवाच म द व नृवाच म द व नृवाच म द व नृवाच म द व
 मा म नृ य न रु म म मि कू व पू उ दू ४५ मि मा स त्या ना ना वा धि ग वि गि टि दा म म्पु यू ल्क न वा मः

॥ थाव हि माय सुखाय ॐ सासेवेन थागना हृष्टि वीज या नाम धारणी धारय नृपय सार्वभौम सुवसयुसयम् दीर्घायुस्तनामूपादाय सत्यमदासत्ये बुद्ध्यासासनाम् कृताजयी नृनगवन् सवेन थागम् उष्ट्री वीज या नाम धारणी साधनं साधनं नृनगवन् सवेन थागः	मिथान्नपयत्ययौवनाकिनेष्टवावाधि पुनारुत्तारुगवेन मन्दवावन् ॥ दृष्टायि
--	--

कृष्णनिष्ठा यद्व्यायमनम ॥ मथोपाधु ॐ नृनाधय २ विलसय २ नृनामसमनादमृवनमः निगमससरावविष्टुद उष्ट्री वीज या सुगमववववनादिषका मूढा यन्मुपदः विलसय २ गमससरावविष्टुद उष्ट्री वीज या पविष्टुद ॥ सद्गुणोत्तमसा ॥ दन ॥ म	निष्टुद नृनिविष्टे नृनामसवेन थागम् उन्नादव २ नृनामसधावलीत्तधय २
---	---

सर्वे कथागमसाधिकाः सर्वे कथागमसाधिकाः सर्वे कथागमसाधिकाः
॥ सर्वे कथागमसाधिकाः सर्वे कथागमसाधिकाः सर्वे कथागमसाधिकाः ॥
सर्वे कथागमसाधिकाः सर्वे कथागमसाधिकाः सर्वे कथागमसाधिकाः
॥ सर्वे कथागमसाधिकाः सर्वे कथागमसाधिकाः सर्वे कथागमसाधिकाः ॥

सुमति नथ ना रुन काटि सवि लु विमू न वू द लु द्वा ऊं द ऊ य २ वि ऊ य २ सा व २ सू व २ लू व य २
स व द्वा ना धि द न ना लं लु द्वा २ वू द्वा २ महा व ऊ व ऊ ग ऊ ऊ य ग ऊ व ऊ का का वा ग
ऊ व ऊ ऊ व व ऊ स ऊ व व ऊ व ऊ नी व ऊ रु व ऊ स व स ल्वा ना के का ये य वि सु धिः
रु व ऊ स व ग मि पा व सु धि य स व न थ न ना थ मा स मा स्वा स मु ना ऊं वू द्वा २ सि द्वा २ वा ध य २

॥ दानं सारना यो मया कनक्षया वाधिसन्तमदासममदवायम् ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजावा
कुरददिना वा नृणां गरिबायुहाया ॥ यमिमावयो वरुका मरुन कथमिहिवः
नयं ॥ ७ वं मूकम्राया ववाकिन नय ॥ वाधिसन्तमदासन्त नृणां भावि वि
सुममदवायम् ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजावा कुरददिना वा नृणां गरिबायुहाया वमिमायाः ॥

१२

॥ यो वरुका मरुने ववा कश्चिन्मया ॥ ७ वं मूकम्राया ववाकिन नय वाधिसन्तमदासन्त
नृणां भावि वि सुममदवायम् ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजावा कुरददिना वा नृणां
गरिबायुहाया वमिमाया वरुका मरुने ॥ नय वा कश्चिन्मया ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजावा
नय ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजावा कुरददिना वा नृणां भावि वि सुममदवायम् ॥ यः कश्चिद्वक्त्रपूजावा कुरददिना वा नृणां भावि वि सुममदवायम् ॥

13

दृष्ट्या धर्मान्, वक्रधर्मान्, वृषधर्मान्, वक्रविज्ञानधर्मान्, यावन्मना विज्ञानधर्मान्, नादिष्ट
कृया, यावन्मना शर्मवर्धनकृया, नदृष्टेन
नवृषेन ज्ञानेन सायिककृया, हृदि, मा
सहो वायमिमांसा, सविहवा, विहवा, वधवा, मातुलान्, नूनं, कृषियया, सायिककृयाः

[illegible]

यन सा दे प्र सा द मा मि न्दु मने १ म वे द ये ध्य म द्वा धा व के वा धि स ले ज दा स ले ॥ न कु य न
 न ग वा रि न्दु मा स नु य न्दु मा ॥ क रि लि न्दु वा मा वि सि ना म द य मा या सा स ये
 व लु स मा य व न्दु न्दु ग क रि ना सा न दः धि न्दु न ग द न्दु न य भ न्दु न नो व व न्दु न
 न म् य न्दु न न म् द न्दु न न म् द न्दु न न द द न्दु न न म् द न्दु न म् य ग द मि ना वा धि न्दु मा १ रि न्दु वा

मात्रिनिनामदवनाया नामजानामिनामायिनदधन नगृधन ननिबुधन नसूखन नद	मात्रियेदवना नामजानामिनामायिनदधन नगृधन ननिबुधन नसूखन नद
धन ननामुसयगमि सादरिदवा	मात्रियेदवना नामजानामिनामायिनदधन नगृधन ननिबुधन नसूखन नद
मकुपदानिरुयमिधमशथाधयदाकुम	मि उदरा ममि वेवममि उमममि म
कममि वनममि गुलममि रवममि नर्क	मि उदरा ममि वेवममि उमममि म
	मि उदरा ममि वेवममि उमममि म

विदवनायापधमाता नय उत्यधमातायय वाऊकवनामातायय धजनपननामाता	विदवनायापधमाता नय उत्यधमातायय वाऊकवनामातायय धजनपननामाता
यय दमिरुयमातायय यीरुयमाता	यय अमिरुमातायय उदकुरुयमाता
मायय सधेयुयकथिक पुसमिरुमा	मायय न आकवय ननाकवय मवि
नय सिदनामवय सयनामवय नयथाध	मायय न आकवय ननाकवय मवि
	मायय न आकवय ननाकवय मवि

केवाधिसल्लसदसेसादेभमयथावकुवादिनावनवाधिसल्लनमहासल्लन॥वकुव
 उनावकुसनेनानववकुवायदरुनारवकुविदुमनेववकुवकावनावकु
 निवकुनारवजयवाकिनवधवववसमन्नाववाकिनवधवनायवावप्राया
 नारविकसिककनारवपमगहनारवपमगहनारवपमनकुनारवदिवकवनारवम

१४

इगुयानारवमिदियनारवममयमेमहावाधिसल्लसदसमीदमपुवसकुनोधम
 दसयानिसमयदममयदेकेवानमधकल्यावयवमोनकल्यानस्वयस्वम
 नकववयवियुनयविसद्वयवदानवकुवयवमयुकासयनिसम॥नपखल
 वकुपासियववववाकउल्लससमहाधिसाननरुगवमननकसमसदसुपुदनि

मिहकसुधमपूवनानिपयसुखमरुनवऊययकमायवावीरयात्यवदमवसाक
 वजाऊवीरुसासुहदयप्रमिछाप
 नउग्रउयवपाविवाडावाडवपाथः
 मिजाडावाविवाकवमि, कसोविदवायवदरमि, कपोसिपुनमपदरमि, कपोसि

रुगवकममदवावकमगुदुत्यरुगव
 कवाकवावकमसलानाविदधयन
 कपोसिपुनमपदरमि, कपोसि

१६

दिवोयसलानामत्यावमकवेनि॥ उवसलानपदुदववधयनि, मरेणयमुहगवान्
 नाहसधमोयवाय, रुगवनेसामगु
 नयानाहसाधसाधवउयासियत
 द्यामिपुद्वकवकपागनायाविषकमिभनकनसाधवमनसिकवलापिषाक, गुहा

रुलासमवकाववनकविषाणि॥ रु
 सेलानामपायकपासुलायमहागु

नाम प्रहृष्टानामनिकुशानि लिखन्तः नानुष्ठापितुं कुरुते न विदुः प्रजापतये यथा नृकसम
 वेष्टुं हनसवसायनस्योनिः ननु ह्यपुः
 वाष्पसुवाष्पानि ननु ह्यवपवमाज
 कदाचित् मदानमग्रनने जसाः पूजानवापुव कामिमन्त्रावापि कथाक्रमेण नृपसद्वृत्त

२०

गयीषादमूनमथागमस्य हृदयाकथविद्विडिननामवस्मिनि स्थिते गदानामदिप्रवस
 यानि स्मृता मथ खलननन्तैः समेवनमव
 शादमनीमथागमसम्यक्कथयन्तु वासि
 म्यजान्तिनीपत्य ह्यमाजयीपुटारुत्वारुगवन्मनदवावन् ॥ जेनृगुहोमावय

रुगदन्तमथागममरुमाः सम्यक्कृतः न इत्येवमुक्तमगदाभ्यसेपशोचं चनवयसव
 सामग्रीरुत्तामस्यधर्मैरुक्तमवद्वग
 निरुक्तस्यनेदस्यविद्वाननसमुप
 मावधधननावधकक्याम् ॥ अथरुगवान् लोकमनीरुथामना इदं सम्यक्कृतः

२१

वृद्धागदानापुजामन्त्राव्यकाषमसमयथाकमरुदनदिनाप्यउचदि साप्यगन्धमयुनरु
 त्यादादसागवप्रमासकृत्तातिरुमकालि
 कमिकवधमभ्याविनयम् ॥ ८ वरुमाः
 रु, लोखवकाटिसमपुसं ॥ ९ मयाकारखादा ॥ १० लीनासवमादा ॥ ११ वरुमकमावा

यस्मादा ॥ ॐ व दायसाह ॥ ॐ हागासादायसादा ॥ ॐ मरुवाहगायसादा ॥ ॐ रुद्रवधे
 यस्मादा ॥ ॐ नममयिवायसादा ॥ ॐ
 मिनवयदा ॥ मरुयदददयानि ॥
 दिवासायादिमा ॥ मरुमरुलकंरुखा ॥ ॐ दायसाहगायसादा ॥ ॐ रुद्रवधे

२२

कवनमारुन कदागावसमानिकरुयमरुम ॥ ॐ मिनकमवायविक ॥ ॐ आदितायसा
 दायायवेदव ॥ ॐ वदामरुविकगाय
 वमाकमागायनमासादा ॥ यद्विम
 वदव ॥ ॐ वादिमवधुनिर्नमायनमासादा ॥ ॐ मिनयानिमिदव ॥ ॐ नमा ॥ ॐ रुद्रवधे

भिन्नयन्त्रस्य बाह्यमायस्यादायाने अस्मद्वयं ॥ १ ॥ सन्निध्यमायस्यादायाने अस्मद्वयं ॥ १ ॥
 विष्णुनेत्रं कृष्णं चामिने बाह्यमायस्यादायाने अस्मद्वयं ॥ १ ॥ सन्निध्यमायस्यादायाने अस्मद्वयं ॥ १ ॥
 दिव्यं चामिने बाह्यमायस्यादायाने अस्मद्वयं ॥ १ ॥ सन्निध्यमायस्यादायाने अस्मद्वयं ॥ १ ॥
 दक्षिणं चामिने बाह्यमायस्यादायाने अस्मद्वयं ॥ १ ॥ सन्निध्यमायस्यादायाने अस्मद्वयं ॥ १ ॥

यका लसवगदा यवेदनिन सवनन जाति दनिन यति मका लसर्व पडका यति
 मारु यका लरुटा वि कामदा वि याः स्वरनी मारु न वि मूखातिन गु. वहु
 जा. दसदयन मूहा दनि. लो कृति ली ल वधु म. दनि. लो यन वल म. नु
 चया. वाम पा ली ली कृध म. वल म कृति नी व ऊ य य का यु दि हा. वडा स नी सि ना धाः

ॐ सर्वोत्तमोऽस्य वाक्कारः कविना ॥ मधुलया वदते ॥ एवमधुन बाहुस्य दधि
 सदनिक विवृणुक्तस्य दधिसास ॥ यन्निमविब्रूयात्तस्य क्लीब ॥ ३७ ॥
 वदन्तस्य दधिसास रुक्मसिद्ध ॥ वसमनज ऊधानकुसुमवर्ण रुद्र
 नयनादि पूजा कर्तव्या ॥ एतन्मन्त्रं नयनाकादामया ॥ एतन्मन्त्रं नयनाकादामया ॥

३७

मधुना संस्मृत्य त्वा यक्षे रत्नस्य निष्कार्य ॥ सर्वेषु मूर्तयस्तदा दयामिनि ॥ ३८ ॥
 मूर्तजास नमो दासि जानि रुद्रमिनि ॥ नमः सर्वे मथा गतस्य ॥ सर्वोत्तमोऽस्य वाक्कारः कविना ॥
 यिष्ये वदन्तस्य दधिसास रुक्मसिद्ध ॥ वतन्मन्त्रं नयनाकादामया ॥ एतन्मन्त्रं नयनाकादामया ॥
 रुक्मसिद्ध ॥ वतन्मन्त्रं नयनाकादामया ॥ एतन्मन्त्रं नयनाकादामया ॥

दद्यानिविपुमानहोगः सोऽस्मां अनयनस्ययि ॥ ७७ ॥ मानिवयउयासिनवयुह	
नामनुपदहृदयानियथिनसिद्धो	नीरुयनि ॥ यनयमवर्धुदुनग
भूमधुवकं हृत्वादासागुलपुमाः	समर्थपुअयिनकाणिनाममृकः
मयकनकरुयादिहाजननश्रयदत्ता	स्तुवसमवयानुपककर्ममुयहा

२३

नाऊपदपुनवहुयासिगुमाहकानामधरसीमनुयदानिसफयवानुवावसिमयो	
निगकमेससयगुहाआदिह्यादयार	आववनगुफिकविष्मिभसर्वयुहा
यारिडुमावयिष्मिभगमायुवादीय	युरुविष्मिभयवखवयुलवहुया
स्वलिहृदिहृत्स्थपासकापासकावा	नववासेनजामियायवाकर्मपूटनियः

निष्पत्ति न न न का व मृत्तु ना का व करि स्थिति यत्पि त्वनू पूर्व व ऊ या (वगु द म धु ल म ल)
 पूरु चित्तादि नदि न वा य यि स्थिति ॥ न न मृत्तु धर्म लान व म् सर्व गु दः स
 स धो न न स धो मा य रि पू य रि स्थिति न न कृ वा द यि दा वि दु ना स यि स्थिति
 म थ स रू ह ग वा धा क नू नी न धा न न यून य यि य द मा रु का ना म धा र वि म नु य दानि रु

२५

स न म् न न मा व ल गु या य न म वृ द्वा य न मा ध मा य न मा स द्या य न मा व ऊ ध वा य न मा य
 म ध वा य न मा कू मा वा य न मा स व य द ना स धो गा य रि पू र का ना न मा न रुः
 वा धा न मा द्वा द स वा सि ना न मा स वः य उ वा धा न न य धा ५ ५ वृ द्वा र व ऊ र
 य द १ स व १ पु स व १ की उ १ की उ य १ मा व १ मा व य १ म द य १ यान य १ स ध विः

३१

वमि मना व (॥) ॐ सर्वे नमो गमाधिदि नमः स य स्वाहा ॥ ॐ स्वाहा ॥ हं स्वाहा ॥ ॐ स्वाहा ॥
 हा ॥ धूं स्वाहा ॥ धी स्वाहा ॥ ग्रादि स्वाहा ॥ य स्वाहा ॥ ॐ सा मा य स्वाहा ॥ ॐ धं
 सी स मा य स्वाहा ॥ ॐ वृं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥
 हा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥

मृत्पु रुयन रुवि स्थानि ॥ ३ ॥ स्थापान रुयन रुवि स्थानि ॥ ४ ॥
 जामि स्थापान रुवि स्थानि ॥ ५ ॥ सर्वगुहाय ॥ ६ ॥
 स्थान रुयन रुवि स्थानि ॥ ७ ॥ अथ नमः सर्वगु ॥ ८ ॥
 महिमा नमः सर्वगु ॥ ९ ॥ ॐ नमः सर्वगु ॥ १० ॥

सावरा वो वमी यसे राद वमानु वासु व वा क ग न्ध र्थे वा क रु ग व ना रा धन न न
 निमि ॥ १ ॥ ॐ नमः सर्वगु ॥ २ ॥ नमः सर्वगु ॥ ३ ॥
 मला रु वा रु के ध वाहि का ग रु स रु म धु म व धु म द न वा ह नि रु म हा रु यः

मया यरुवदकाय यिरुवक सावदी यम वाह वधनमानमम ॥ १०॥
 वाह धाव भीम माय ॥ ॥ १॥ नमकन वनमम य वाह
 धूमसकासं उयारि स मावाय हं नमस्त्य धूमव श्रीय वीडा वीडा
 मक थाय नागर कायसूक माव वृयं खम धार नागयाण सस्त्य नस्त्य विधि

३०

सार विवित्रवर्ध मासाव त्वाकरुन मानमम ॥ १०॥ मिश्राकरुधावनारु
 समाय ॥ ॥ १०॥ निनववका विधानसरु ॥ ॥ १॥ मंगवरुवकु
 ऊपरुव नृपाविरिभं वरुका नासि शवनं यीदिशुदं मधुदवा स्वधनी
 यं ममवृदीगामस्य नृ ॥ १०॥ लउकक ॥ सपूरु विरिभ मधुजिनगु गुमकवरुवकु ॥ १०॥

३१

मिकपुस्तिक सर्वसत्त्वानामादनकथं वृत्तमशक्तमिदं वाशकं दानुस्य कथं

